



शिक्षकों के लिए

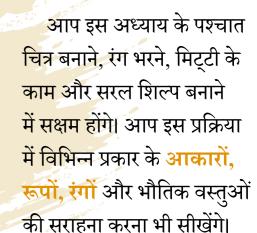
- विद्यार्थियों के बैठने एवं कार्य करने हेतु पर्याप्त प्रकाश युक्त और हवादार स्थान सुनिश्चित करें।
- विद्यार्थियों के कार्यों को प्रदर्शित और साझा करने के लिए प्रदर्शन बोर्ड लगाएँ। विद्यार्थियों के कार्य नियमित रूप से बदलते रहें ताकि उन्हें प्रोत्साहन मिल सके।
- विद्यार्थियों को अपने विचारों, कल्पनाओं, भावनाओं और जिज्ञासा व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करें और उनके कार्य में उनकी रचनात्मकता और सरलता को प्रतिबिंबित होने दें।
- विद्यार्थियों को कक्षा में खोज एवं प्रयोग करने के अवसर उपलब्ध कराएँ और उन्हें अपने विचारों के आदान-प्रदान करने वाली गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित करें।
- कार्य समाप्त होने पर सफाई करने एवं उपयोग की गई सामग्री वापस रखने, कला सामग्री के उचित रख-रखाव और देख-रेख की आदतें विकसित करें।
- विद्यार्थियों को घर पर अपनी गतिविधियों की चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करें ताकि वे कला एवं संस्कृति सीखें और उसके अभ्यास में अपने माता-पिता को भी सम्मिलत कर सकें।





हम अपने आस-पास भिन्न-भिन्न प्रकार की वस्तुएँ देखते हैं। इनका उपयोग हम प्रतिदिन विद्यालय, घर आदि में सजावट के लिए करते हैं। अलग-अलग सामग्री से बनी इन वस्तुओं की बनावट अनोखी होती है।





गतिविधि 1 आइए, रेखाओं के साथ खेलें

कलम से आड़ी-तिरछी रेखाएँ खींचें और रेखाओं को विभिन्न दिशाओं में जाने दें। कुछ रेखाओं को तेजी से और कुछ को बहुत धीमी गति से खींचें।

- मोटी एवं गहरी रेखाएँ खींचने के लिए कलम पर थोड़ा दबाव डालें।
- पतली और हल्की रेखाएँ खींचने के लिए कम दबाव दें।

निम्नलिखित रेखाओं का अभ्यास करें—

लहरदार रेखाएँ

टेढ़ी-मेढ़ी रेखाएँ

बिंदुदार रेखाएँ

टूटी रेखाएँ

खड़ी रेखाएँ

पड़ी रेखाएँ

तिरछी रेखाएँ

घुमावदार रेखाएँ





गतिविधि 2 अपने आस-पास की वस्तुओं के चित्र बनाइए और उनमें रंग भरिए



अपने आस-पास की कुछ वस्तुओं को देखें और छुएँ। उनकी रेखाओं, आकारों और रंगों को देखिए। किन्हीं तीन वस्तुओं के चित्र बनाइए, जो आकार में भिन्न हों और उनमें रंग भरिए।



अभ्यास करें— घर में उपलब्ध वस्तुओं के चित्र बनाइए और रंग भरिए। कागज, श्यामपट्ट या कला पुस्तिका में और भी चित्र बनाइए।

दुश्य कला

अपने घर में उपयोग की जाने वाली विभिन्न वस्तुओं को बनाएँ एवं उनमें रंग भरें। विभिन्न आकार और आकृतियों की वस्तुएँ ढूँढ़िए जिनका उपयोग नीचे दिए गए कार्यों में किया जाता है—

- खाना पकाना
- घर के काम करना
- ० पढ्ना
- सोना
- **े** खेलना

इनमें से कुछ के चित्र बनाइए और रंग भरिए। इन चित्रों को अपने सहपाठियों के साथ साझा कीजिए।



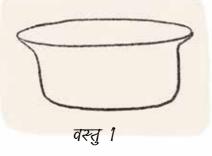


गतिविधि 3 छापना, काटना और अतिच्छादन करना

इस गतिविधि को हम तीन विभिन्न प्रकार की वस्तओं, जैसे— पत्तियों, छोटी वस्तुओं और अमूर्त आकृतियों का उपयोग करके कर सकते हैं।

चरण 1

ऐसी तीन वस्तुओं का चयन करें और उनका चित्र बनाएँ, जिन्हें आपने पहले बनाया हो।







चरण 2

अपने चित्रों के ऊपर किसी पतले कागज को रखें और तीनों चित्रों की अलग-अलग प्रतियाँ बनाएँ।



शिक्षक संकेत 🖎

- छापने की क्रिया से हाथ की गति और पेंसिल पर पकड़ सशक्त होती है।
- अतिच्छादन करने से नए आकार बनाने और रंग भरने में मदद मिलती है।

चरण ३

प्रतियों को काटकर अलग कर लीजिए।



चरण ४

इन प्रतियों में से एक के आकार की बाहरी रेखा बनाएँ।



चरण 5

दूसरी प्रति की आकृति को, पहले चित्रित आकार पर अतिच्छादित करते हुए रखें और अब बाहरी रेखाकृति बनाएँ।

चरण ६

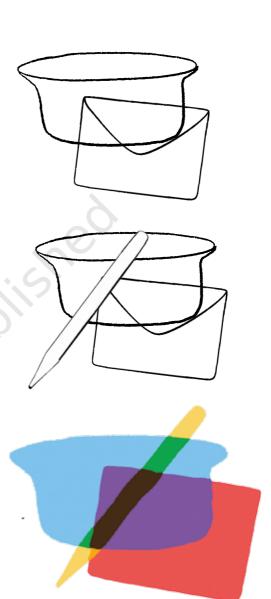
अब तक बने हुए आकार पर पुन: एक और काटे गए आकार को रखकर इसकी रेखाकृति बनाएँ। वाह! आपने एक नई आकृति बना ली है। इस प्रक्रिया को दोहराएँ।

चरण 7

प्रत्येक आकार में लाल, पीला और नीला अलग-अलग रंग भरें। आप जलरंगों का प्रयोग कर सकते हैं। वाह! अतिच्छादित आकार में आप तीन नए रंग देखेंगे।

चरण ८

कार्य को पूर्ण करने के पश्चात स्थान को स्वच्छ करें।



गतिविधि 4 एक बोतल का चित्र बनाएँ एवं उसके आकार से खेलें



मैं बोतल का ढक्कन हूँ।

मैं अनुमान लगाता हूँ कि आप मेरा आकार जानते हैं।

मेरी बोतल खो गई है।

क्या आप मेरे लिए बोतल का एक चित्र बना सकते हैं?

आपने जो बोतलें देखी हैं, उससे अलग बोतल का चित्र बनाएँ।

नहीं तो मुझे पता नहीं चलेगा कि मेरी कौन-सी बोतल है!

अगर आप दो चित्र बनाएँगे तो मेरे मित्र को भी खुशी होगी!

गतिविधि 5 मिट्टी के साथ खेलें

क्या आपको मिट्टी से खेलना आनंददायक नहीं लगता? मिट्टी से अलग-अलग आकारों और आकृति की वस्तुएँ बनाई जा सकती हैं। अपने आस-पास उपलब्ध वस्तुओं को मिट्टी से बनाएँ। आप उनमें कुछ नई विशेषताएँ जोड़ें और उन्हें अपने मित्रों को दिखाएँ। उन्हें एक छोटी-सी बारीक डंडी से बिंदु और रेखाएँ बनाते हुए सजाएँ।



भारतीय संगीत में मिट्टी के घड़े का उपयोग संगीत में वाद्ययंत्र की तरह किया जाता है। इसे 'घटम' के नाम से जाना जाता है।



उन्हें पूरा करें और स्वयं बनाई गई वस्तुओं को अलग-अलग नाम दें। वस्तुएँ बनाने के बाद हाथ धोना और अपने स्थान को स्वच्छ करना न भूलें।

अभ्यास करें— किसी स्थानीय संग्रहालय, शिल्प मेले या कुम्हार के पास जाएँ। आप वहाँ विभिन्न प्रकार की मिट्टी की वस्तुएँ देखेंगे। आप उनमें से अपनी पसंद की वस्तु का चित्र बनाएँ। आपको आनंद आएगा।



गतिविधि 6 मिट्टी के बर्तन बनाना

 इन चित्रों में आप किन-किन वस्तुओं को देख रहे हैं?

 आपने इन चित्रों में कौन-कौन से आकार और आकृति के बर्तन देखे?

3. इन चित्रों में लोग क्या कर रहे हैं?

आप एक बर्तन को सजाने का प्रयास करें!

